मेरे अनुभव

लोगों का कहना है कि 'विश्व तंत्र-ज्योतिष' पत्रिका अपने आप में महत्वपूर्ण है, इस पत्रिका का कोई जवाब नहीं। ज्योतिष क्षेत्र में ऐसी अन्य कोई पत्रिका नहीं जो इस पत्रिका का मुकाबला कर सके। यह पत्रिका अपने आप में सर्वस्व समेटे हुए है, जैसे कि गागर में सागर। यह हम नहीं कह रहे हैं यह कहना है उन लोगों का जो इस पत्रिका को बड़े चाव से पढ़ते हैं, यह कहना है उन लोगों का जिन्होंने इस पत्रिका को पढ़कर अपने जीवन की दिशा ही बदल ली है, जिनको इस पत्रिका के माध्यम से रोशनी की नयी किरण नजर आयी है। ऐसे ही कुछ पाठकों के अनुभव यहाँ प्रकाशित किये जा रहे हैं। आप भी इन्हें पढ़िये और यदि आपके पास भी ऐसे ही कुछ अनुभव हों तो हमे 'विश्व तंत्र-ज्योतिष, जोधपुर मुख्यालय' के पते पर लिख भेजिये।

अष्टलक्ष्मी-नवनिधि कुबेर कलश के प्रयोग से ही लक्ष्मी मेहरबान हुई

विश्व तंत्र ज्योतिष पत्रिका में छपे मेरे अनुभव पढ़कर मेरे मन में भी अपना अनुभव भेजने की जिज्ञासा उठी। अष्टलक्ष्मी-नवनिधि कुबेर कलश का प्रयोग करके सिद्ध हो गया कि यह कलश वास्तव में लक्ष्मी को स्थिर करने का बेहद आसान है। मेरी शादी को हुए 3 साल हो चुके हैं। एक दिन मेरे पति जो कि गुड़गाँव में एक मल्टीनेशनल कंपनी में मैनेजर की पोस्ट पर थे उनको गलत रिपोर्ट बनाने के झूठे इल्जाम में फंसा कर कंपनी ने संस्पेंड कर दिया। उनको घर पर बैठे 3 महीने हो गये। मुझे उनकी नौकरी की चिंता सताने लगी थी। मैंने सोचा शायद मैं भी आज नौकरी कर रही होती तो एकदम से इतना बड़ा झटका नहीं लगता। मैंने तो अपनी नौकरी इसलिए छोड़ दी थी कि मेरी नौकरी शहर से बाहर थी। दीपावली का पर्व आने वाला था और घर में इतनी बड़ी समस्या चल रही थी। ऐसे समय में त्यौंहार किसको अच्छे लगे लेकिन मैं दीपावली की साधनाओं के बारे में काफी कुछ जानती भी थी क्योंकि पहले मैं अपने घर पर विश्व तंत्र ज्योतिष की पत्रिका लाकर पढ़ती थी। इस बार भी मैंने घर पर फोन करके वहाँ से पत्रिका मंगवाई। मैंने इन कष्टों से निजात पाने के लिए सब कुछ माँ लक्ष्मी पर छोड़ दिया और माँ लक्ष्मी को मनाने के लिए यह कलश मंगवाया। मैंने इस कलश के बारे में अपने पति को पहले ही बता दिया था। मैंने और मेरे पति ने मिलकर कलश के साथ दी गई विधि के अनुसार दीपावली को मिलाकर कुल पाँच दिनों तक कलश का प्रयोग किया। मन तो एक शांति थी कि सब कुछ अच्छा ही होगा। कुछ दिनों तक यूं ही सब चलता रहा। जिंदगी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। महीना, दो महीना, यहां तक कि 6 महीने गुजर गये। सुबह की बात है हम सब बैठे नाश्ता कर रहे थे। तभी इनकी कंपनी से फोन आया और इनको वहाँ बुलाया गया। जब वो वापस आये तो उनके हाथ में मिठाई का डिब्बा था, जाँच में पता चला कि उनका बुरा चाहने वालों की उनके खिलाफ साजिश थी। जिसका भंडा फोड़ हो चुका था। कंपनी ने माफी जाहिर करते हुए इन्हें फिर से उसी पोस्ट पर नियुक्त किया। मेरी आधी से ज्यादा टेंशन खत्म हो चुकी थी। मैंने माता लक्ष्मी को कोटि-कोटि धन्यवाद दिया। जिसकी बदौलत मुझे इतनी खुशी मिली। उनके देने का क्रम यहीं नहीं रुका ठीक 25 दिन बाद मेरे नाम एक लेटर आया कि आपको आपकी जगह पर नियुक्त कर दिया गया है। आप 15 दिन में ही ज्वाइन करें। मेरी खुशियों का तो ठिकाना ही न रहा। अबकी बार मैंने अपने ससुराल वालों को मना ही लिया। मैंने तुरंत नौकरी ज्वाइन की। मेरे लिए तो यह पर्व होली और दीवाली दोनों ही साबित कर गया। यह सच है जब माँ लक्ष्मी को पुकारो तो माता को आना ही पड़ता है। मेरा और पाठकों से अनुरोध है कि आप भी इस दीपावली के पर्व पर माता को पूजें और अपने मन की मुराद पायें।

नम्रता शाह, गुड़गाँव

लक्ष्मी-नारायण मंगल कलश का प्रयोग करने से मिला कर्ज से छुटकारा

पूज्य गुरुजी, आपकी पत्रिका एक सर्वश्रेष्ठ और संपूर्ण पत्रिका है जिसको पढ़ने के बाद किसी और पत्रिका को पढ़ने की इच्छा मन में ही नहीं रह जाती है। मैं विश्व तंत्र ज्योतिष पत्रिका को पिछले 3 सालो से पढ़ रहा हूं। हमारे परिवार में हम दो भाई हैं तथा जिनके बीच काफी समय से जमीन-जायदाद का विवाद चल रहा था जिसके चलते मैं अपने कार्य की तरफ ध्यान नहीं दे पा रहा था। मुझे मेरे काम में घाटा होने लगा इसका नतीजा यह हुआ कि मुझे कर्ज लेकर घर चलाना पड़ता था। स्थिति खराब होती ही जा रही थी। दीपावली पर मैं भी कुछ नया करना चाहता था इलिए एक दिन मैं भी अपनी किस्मत आजमाने के लिये बुक स्टॉल पर जाकर ज्योतिष की मैग्जीन खंगालने लगा। मुझे विश्व तंत्र ज्योतिष मैग्जीन ही आकर्षक लगी। सो मैंने विश्व तंत्र ज्योतिष की मैग्जीन खरीद ली। क्या पता इस बार मां लक्ष्मी मेरे ऊपर भी मेहरबान हो जाये। मैंने उस विशेषांक को बहुत ही ध्यान से पढ़ा तथा भगवान पर विश्वास करके मैंने कर्ज से राहत पाने के लिए लक्ष्मी-नारायण मंगल कलश फोन पर ऑर्डर कर दिया। दिपावली से कुछ दिन पहले मुझे लक्ष्मी-नारायण मंगल कलश प्राप्त हो गया। कलश के साथ दी गई विधि के अनुसार मैंने अपनी पत्नी के साथ प्रयोग सम्पन्न किया। प्रयोग खुशी-खुशी समाप्त होने पर मैंने माता लक्ष्मीजी को धन्यवाद दिया और सर्वमंगल की कामना की। प्रयोग की समाप्ति मुझे अपने दिल में कुछ शांति सी लग रही थी। कुछ समय पश्चात् दोनों भाइयों के बीच में चल रहा विवाद निपट गया। शायद उसको भगवान ने सोचने समझने की शक्ति दी और वह पिताजी के कहने पर राजी हो गया। उसने खुशी से

मुझे आधा हिस्सा देने के लिए कह दिया और पिताजी से अपने जिद्दी और खराब रवैये के कारण माफी मांगी। जिस संपत्ति को पाने के लिए मैंने इतना इंतजार किया था वह मुझे माँ लक्ष्मी जी की कृपा से बहुत जल्दी मिल गई। इस कलश के प्रयोग ने तो मेरी जिंदगी ही बदल दी। मैंने अपने हिस्से की संपत्ति में से कुछ बेचकर अपना सार कर्जा चुकाया तथा भविष्य के लिए भी कुछ पैसा जमा करके रखा। इस पुण्य कार्य के लिए मैं विश्व तंत्र ज्योतिष को अपने हृदय से बधाई देता हूं।

आलोक त्रिवेदी, लखनऊ

अष्टलक्ष्मी-नवनिधि कुबेर कलश के प्रयोग से जीवन खुशहाल हुआ

गुरूजी, सादर प्रणाम! मैंने आपकी पत्रिका जनवरी 2015 में पहली बार देखी थी। जिस समय इसे देखा बस उसी महीने से मैं निरन्तर इसे खरीद कर अपनी जिज्ञासा शांत करता हूं। इसमें पठनीय सामग्री जिस तरह से कूट-कूट कर भरी हुई है वह एक सोचनीय विषय है। ज्ञान का इतना विशाल भंडार कि, अनपढ़ भी विद्वान बन जाये। बस मुझे इस पत्रिका ने तो अपना दीवाना ही बना लिया था। मैं मध्यम वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखता हूं। अपने घर में मैं एक ही कमाने वाला सदस्य हूं। मेरी नौकरी भी अच्छी है लेकिन मेरा प्रमोशन किन्हीं कारणों की वजह से रुका हुआ है। मैंने बड़ी कोशिश की लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। मैंने कोर्ट में केस भी लगा रखा है लेकिन फैसला जल्दी नहीं हो रहा है। अक्टूबर 2015 के अंक में मैंने अष्टलक्ष्मी-नवनिधि कुबेर कलश के बारे में पढ़ा मुझे यह प्रयोग करने की इच्छा जाग्रत हुई। मैंने तुरंत ही अष्टलक्ष्मी-नवनिधि कुबेर कलश मंगवा लिया। कुछ दिनों बाद मुझे कलश प्राप्त हुआ तथा साथ में उसकी विधि भी। मैंने कलश के साथ दी गई विधि के अनुसार दीपावली से दो दिन पहले ही साधना शुरु कर दी थी। मुझे माँ लक्ष्मी की पूजा अर्चना करते हुए अपार हर्ष और खुशी महसूस हो रही थी। मैंने अपनी जिन्दगी में पहली बार इस तरीके से माँ लक्ष्मी पूजा- अर्चना की थी। मुझे साधना करने का परिणाम इतनी जल्दी मिल जायेगा इसका यकीन मुझे नहीं था। कलश के प्रयोग समाप्ति के ठीक 40 दिन बाद ही मैं केस जीत गया। मुझे बकाया एरियर के साथ ही प्रमोशन के भी ऑर्डर हो गये। घर के सभी लोगों को सच्ची खुशी मिली, क्योंकि मेरे साथ ही सबकी आशाएं बंधी थी। मैंने उस दिन घर के सभी सदस्यों को बाहर घुमाने के लिये ले गया और बाहर ही खाना खिलाया जिससे मेरी खुशी का ठीकाना नहीं रहा। मैं अपने आपको बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहा था। मेरा मानना है कि इन सबके पीछे गुरुदेव कमल श्रीमाली का ही आशीर्वाद है। जिनके माध्यम से मेरा यह कार्य सफल हुआ।

कमलेश भाई, अहमदाबाद

अष्टलक्ष्मी-नवनिधि कुबेर कलश के प्रयोग से ऋण का निपटारा शीघ्र हुआ

मैं आप सबके साथ अपना अनुभव बांटना चाहता हूं। इसलिए आपकी सेवा में अपना अनुभव भेजा है कृपया इसे जरुर छापें। क्योंकि मैंने सचमुच ही इस घटना को जीया है और उसके दलदल से निकला हूं। गुरूजी मेरी लैडिज वस्त्रों की दुकान है जो हमारे भरण-पोषण का माध्यम है भगवान की दया से काफी आमदनी हो जाती है। जब मैंने अपनी लड़कियों की शादी तो मैंने उनके लिए अपनी हैंसियत से कुछ ज्यादा ही परिवार में उनका रिश्ता कर दिया। लेकिन वह लोग तो बिलकुल सीधे व सरल थे। लेकिन मुझे समाज में अपनी इज्जत का ख्याल रखना था इसलिए मैं भी किसी से कम न उतरा और इसी चक्कर में मुझे पर काफी कर्जा हो गया। मैंने सोचा चलो जल्दी ही उतर जायेगा, लेकिन कर्जे ने उतरने का नाम नहीं लिया। जितनी आमदनी दुकान से होती वह अनावश्यक कार्यों में व्यय होने लगी। कभी कुछ तो कभी कुछ कर्जा होता ही जा रहा था। जबकि दुकान में आमदनी बिल्कुल भी कम नहीं हुई। बल्कि वह संचय नहीं हो रही थी। मैं बहुत परेशान हो गया था। एक दिन की बात है सुबह की चाय के साथ ही मैं अखबार पढ़ रहा था उसमें मैंने कमल श्रीमालीजी का विज्ञापन छपा देखा और अपने लिए एक अपाइंटमेंट लिया। मैं दोपहर के समय उनसे मिलने गया। मैं उनसे मिलकर बहुत खुश हुआ। जितना उनके बारे में सोचा था उससे कहीं अधिक विद्वान् ज्योतिषी निकले। इस सादगी ने मुझे उनका फैन बना दिया। उन्होंने मेरी पूरी कुण्डली देखी और कुण्डली की अच्छाईयों और कमजोरियों दोनों को बताया। मेरे साथ जो भी आज तक बीता था वो सब उन्होंने मेरे सामने बता दिया। मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि कुण्डली भी हमारे जीवन का इतना बड़ा दर्पण होता है। उन्होंने मेरी समस्या के निवारण के लिये कुछ उपाय बताये और दीपावली पर अष्टलक्ष्मी-नवनिधि कुबेर कलश का प्रयोग करने का सुझाव दिया। मैंने बिना समय गंवाये उसी समय गुरुजी के साथ बैठे उनके शिष्य को इस कलश का ऑर्डर कर दिया। मुझे कलश कुछ दिनों बाद मेरे घर पर प्राप्त हो गया। कलश के साथ गई विधि के अनुसार मैंने प्रयोग को सम्पन्न किया। प्रयोग सम्पन्न करने के बाद से ही मुझे घर में भी अच्छा-अच्छा सा लग रहा था। जैसे घर में ही माँ लक्ष्मी का निवास हो गया हो। पहले हर समय किसी ना किसी बात की चिंता रहती थी। प्रयोग समाप्ति के पश्चात् इस प्रकार बैचेनी नहीं रही। दीपावली के बाद शादियों के सीजन आ गये। उस समय दुकान में मुझे चार वर्कर और रखने पड़े ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। उस समय इतनी जबरदस्त कमाई हुई कि मैंने अपना तीन चौथाई कर्जा एक ही सीजन में उतार दिया। अब मैं जितना पैसा कमाता वह सारा ही बच जाता फिजूलखर्च एकदम बंद हो गया। तथा बचा-खुचा कर्जा भी निपट गया। इस कार्य के लिए मैं माता लक्ष्मी को बारम्बार नमन करता हूं तथा पं. कमल श्रीमाली को भी धन्यवाद देता हूं जो इस कार्य के लिए शुक्रिया अदायगी के सच्चे पात्र हैं।

नीमेश पांडे, पुणे, महाराष्ट्र

लक्ष्मी-नारायण मंगल कलश ने मनोकामनाओं को साकार किया

गुरुजी, मेरी सबसे बड़ी समस्या मेरे मकान के निर्माण के संबंध में है। रुपये-पैसे की कमी बिल्कुल नहीं है लेकिन कहते हैं ना कि जब समय अच्छा न हो तो साया भी साथ छोड़ देता है। ठीक वैसा ही हमारे साथ हो रहा है। मेरी वर्षो से यह तमन्ना रही है कि मेरा भी एक सुंदर मकान हो, लेकिन हर समय कोई न कोई मुसीबत आ जाती है। जैसे ही निर्माण कार्य शुरु करने लायक बजट बनता है कोई ऐसी हानि या दुर्घटना होती है कि आधे से ज्यादा पैसा उसी में लग जाता है। एक दिन की बात है मैं छुट्टी के दिन बैठा-बैठा सोच रहा था। तभी मेरी पत्नी ने एक पुस्तक मुझे दिखाई और कहा कि हम इस लक्ष्मी-नारायण मंगल कलश को अपने घर में स्थापित करेंगे। शायद हमारी मनोकामना भी पूर्ण हो। एक बार तो मैंने इसे मंगवाने के लिये मना कर दिया, लेकिन दो दिन बाद ही मेरे दिल एकदम चेंज हो गया शायद माँ लक्ष्मी ने ही कुछ किया हो या किस्मत मुझे किस और लेकर जा रही थी। मैंने अपनी पत्नी को कलश मंगवाने के लिये हाँ कर दी। मेरी पत्नी ने लक्ष्मी-नारायण मंगल कलश मंगवाया। हमने पूरी विधि-विधान से इस कलश का प्रयोग किया। कुछ समय गुजरा, इस बार परिवार में काफी समय में कोई होनी-अनहोनी नहीं घटी, और 6 माह बाद ही पुनः मकान शुरु करने के लिए हमने बहुत से पैसे जमा कर लिये और शुभ मुहूर्त में मकान का निर्माण भी प्रारंभ करवा दिया। गुरुजी आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, मैं अपनी कामनापूर्ति व

पाठकों यदि आपके भी साधना प्रयोगों से, पत्रिका में दिये गये परामर्श से, योग से, छोटे-छोटे टिप्स से यदि कोई लाभ हुआ है तो अपने अन्य पाठक भाई बहनो को बाँटने में संकोच महसूस ना करें। आपके अनुभव से कोई और पाठक भी प्रेरित होकर अपनी सफलता का मार्ग ढूंढ सकता है, अपनी निराशा के पार जा सकता है।
धन्यवाद।